University in News on 08 May 2025

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

लविवि की पूर्व छात्रा बनीं राजभाषा अधिकारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की पुरातन छात्रा वासिरेड्डी श्री अंजनी अरविंदा का चयन इंडियन बैंक में राजभाषा अधिकारी के पद पर हुआ है। अरविंदा ने लविवि से सत्र 2022-24 में एमए हिंदी की उपाधि हासिल की है। इसके साथ ही उन्होंने विवि से हिंदी साहित्य, अंग्रेजी और मनोविज्ञान में स्नातक की उपाधि प्राप्त की है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने छात्रा को शुभकामनाएं दी हैं। (संवाद)

लविविः फार्मेसी के छात्रों को मिली कंप्यूटर लैब

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज (एलयूआईपीएस) में बुधवार को कई परियोजनाओं का उद्घाटन कार्यक्रम हुआ। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने नव-निर्मित लिफ्ट, 50 अत्याधुनिक कंप्यूटर वाली लैब, संकाय सदस्यों के लिए फैकल्टी रूम और 280 सीटों की क्षमता वाले आधुनिक ऑडिटोरियम का लोकार्पण किया। कुलपति ने संस्थान के प्लेसमेंट रिकॉर्ड की सराहना करते हुए कहा कि प्रतिष्ठित कंपनियों में चयनित छात्रों की सफलता, उनके कठिन परिश्रम, समर्पण और प्रतिबद्धता का यह प्रत्यक्ष प्रमाण है। अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के डीन प्रो. एके सिंह, निर्माण अधीक्षक प्रो. डीके सिंह प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे। (संवाद)

लविवि में कार्यपरिषद की बैठक आज

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में बृहस्पतिवार को कार्यपरिषद की बैठक होगी। इसमें लविवि से संबद्धता के लिए आवेदन करने वाले नए खुले महाविद्यालयों और नए कोर्स की मान्यता के प्रस्तावों पर मुहर लगाई जाएगी। कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने कार्यपरिषद के सभी सदस्यों को बैठक के संबंध में सूचना भेज दी है। साथ ही उन्हें बैठक का एजेंडा भी ईमेल कर दिया है। कार्यपरिषद की बैठक में सभी संकायों के डीन भी शामिल होंगे। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में पहलगाम मामले में विवादित टिप्पणी करने वाले दो शिक्षकों से संबंधित विषय भी समिति के सामने पेश किया जा सकता है, जिसमें अनुशासनात्मक समिति बनाने व अन्य कार्रवाई करने की संस्तुति की जा सकती है। दोनों शिक्षक अपना स्पष्टीकरण कुलसचिव कार्यालय को उपलब्ध करा चुके हैं। (संवाद)

13 पाठ्यक्रमों के परीक्षा कार्यक्रम जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने शैक्षिक सत्र 2024-25 सम सेमेस्टर परीक्षा के अंतर्गत बुधवार को परास्नातक के 13 पाठ्यक्रमों का परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। छात्र- छात्राएं लविवि वेबसाइट पर विस्तृत परीक्षा परिणाम देख सकते हैं। इस संबंध में परीक्षा नियंत्रक की ओर से सूचना जारी कर दी गई है। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि एमएससी प्राणिशास्त्र, भूगर्भ, रसायन विज्ञान और एमए संस्कृत, ज्योतिर्विज्ञान, समाज कार्य, एआईएच, भूगोल, राजनीति विज्ञान के दूसरे व चौथे सेमेस्टर का शेड्यूल जारी किया गया है। इसी तरह एमकॉम अप्लाइड इकोनॉमिक्स, एमपीएड, बीपीएड, एमएचए के भी दूसरे और चौथे सेमेस्टर का परीक्षा कार्यक्रम घोषित किया गया है। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 5, 9

एलयूआईपीएस में कंप्यूटर लैब व सभागार का उद्घाटन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी संकाय के अंतर्गत संचालित फार्मास्यूटिकल साइंसेज संस्थान (एलयूआईपीएस) में कई निर्माण कार्यों का उद्घाटन कार्यक्रम हुआ। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने नव-निर्मित लिफ्ट, 50 अत्याधुनिक कंप्यूटर्स के नवीन कंप्यूटर लैब, संकाय सदस्यों के लिए फैकल्टी रूम और 280 सीटों की क्षमता वाले आधुनिक ऑडिटोरियम का लोकार्पण किया।

उन्होंने कहा कि यह अधोसंरचनात्मक विकास केवल ईंट-पत्थर का निर्माण नहीं है, यह हमारे छात्रों के सपनों का आर्किटेक्चर है। अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के डीन प्रो. एके सिंह ने कहा कि यह अधोसंरचनात्मक विस्तार विद्यार्थियों को उद्योग के अनुकूल तैयार करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। निर्माण अधीक्षक प्रो. डीके सिंह आदि रहे। चयनित छात्रों को सम्मानित किया कुलपति ने वार्षिक पत्रिका एलयूआईपीएस-सिनर्जी (2024-25) का विमोचन किया, जिसमें विद्यार्थियों, शोधार्थियों और शिक्षकों की रचनात्मक और अकादमिक उपलब्धियों को स्थान मिला है। गेट 2025 में सफल 24 छात्रों और मेडप्लस व मैकलियोड्स फार्मास्यूटिकल्स में चयनित 37 छात्रों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

लखनऊ विश्वविद्यालय में कार्यपरिषद की बैठक आज

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में कार्यपरिषद की बैठक का आयोजन गुरुवार को करने का निर्णय लिया गया है। इसमें 125 से अधिक कॉलेजों में नए पाठ्यक्रमों और नए कॉलेजों की मान्यता के प्रस्तावों पर मंजूरी देने का कार्य किया जाएगा। साथ ही पहले से संचालित पाठ्यक्रमों की संबद्धता विस्तार का भी फैसला होगा।

इस संबंध में कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी की ओर से सभी कार्यपरिषद के सदस्यों कोसूचना भेज दी गई है। बैठक का एजेंडा भी ईमेल कर दिया गया है।

सेना ने एक बार फिर साबित किया है कि यदि भारत की अस्मिता, अखंडता और शांति को भंग करेगा तो उन्हें उनके घर में घुस कर मारने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। -प्रो आलोक राय, कुलपति, एलयू

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

अवसरों के सृजनकर्ता बनें विद्यार्थी : कुलपति

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी संकाय के अंतर्गत फार्मास्यूटिकल साइंसेज संस्थान (एलयूआईपीएस) में वुधवार को विभिन्न निर्माण कार्यों का उद्घाटन किया गया। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने संस्थान में नव-निर्मित लिफ्ट, 50 अत्याधुनिक कंप्यूटरों से सुसज्जित नवीन कंप्यूटर लैब, संकाय सदस्यों के लिए सुसज्जित फैकल्टी रूम तथा 280 सीटों की क्षमता वाले आधुनिक ऑडिटोरियम का लोकार्पण किया।

इस दौरान कुलपति प्रो. राय ने कहा कि यह अधोसंरचनात्मक विकास केवल ईंट-पत्थर का निर्माण नहीं है, यह हमारे छात्रों के सपनों का आर्किटेक्चर है। जब हम छात्रों को उच्च गुणवत्ता की सुविधाएं देते हैं, तो हम उनमें आत्मविश्वास, रचनात्मकता और नेतृत्व का वीज वोते हैं। इस अवसर पर उन्होंने संस्थान के उत्कृष्ट प्लेसमेंट रिकॉर्ड की भी सराहना करते हुए कहा कि प्रतिष्ठित कंपनियों में चयनित छात्रों की सफलता, उनकी कठिन परिश्रम, समर्पण और प्रतिवद्धता का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

उन्होंने छात्रों को विश्वविद्यालय की इनक्यूवेशन सेल 'नवांकुर फाउंडेशन' से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया और कहा कि नवांकुर फाउंडेशन एक ऐसा सशक्त मंच है, जो छात्रों के विचारों को दिशा देकर उन्हें नवाचार-आधारित स्टार्टअप में परिवर्तित करने का अवसर प्रदान करता है।

संस्थान के निदेशक प्रो. पुष्पेंद्र त्रिपाठी ने स्वागत भाषण में संस्थान की प्रगति, वर्तमान प्रयासों और भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर उन्होंने संस्थान के उत्कृष्ट प्लेसमेंट रिकॉर्ड की भी सराहना करते हुए कहा कि प्रतिष्ठित कंपनियों में चयनित छात्रों की सफलता, उनकी कठिन परिश्रम, समर्पण और प्रतिवद्धता का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

लविवि में नवविकसित सुविधाओं का कुलपति ने किया लोकार्पण

अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के डीन प्रोफेसर ए.के. सिंह ने संस्थान की प्रगति की सराहना की।

कार्यक्रम में लविवि के कुलपति ने संस्थान की वार्षिक पत्रिका 'एलयूआईपीएस-सिनर्जी (2024-25)' का विमोचन किया तथा गेट 2025 में सफल 24 छात्रों और मेडप्लस व मैकलियोड्स फार्मास्यूटिकल्स में चयनित 37 छात्रों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के समापन पर सुपेरिंटेंडेंट ऑफ वर्क्स प्रो. डी.के. सिंह ने आभार ज्ञापन दिया।

लविवि में कार्यपरिषद की बैठक आज

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में कार्यपरिषद की बैठक का आयोजन वृहस्पतिवार को करने का निर्णय लिया गया है। इसमें 125 से अधिक कॉलेजों में नए पाठ्यक्रमों तथा नए कालेजों की मान्यता के प्रस्ताओं पर मंजूरी देने का कार्य किया जाएगा। साथ ही पहले से संचालित पाठ्यक्रमों की संवद्धता विस्तार पर भी फैसला होगा। इस संवंध में कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी की ओर से सभी कार्यपरिषद के सदस्यों को सूचना भेज दी गयी है। वैठक का एजेंडा भी ई मेल कर दिया गया है।

AMRIT VICHAR PAGE 8

फार्मेसी विभाग में सुविधाओं का लोकार्पण

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

▸▸ नवनिर्मित लिफ्ट, 50 अत्याधुनिक कंप्यूटर व ऑडिटोरियम हुआ उपलब्ध

अमृत विचारः लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी संकाय के अंतर्गत फार्मास्यूटिकल साइंसेज संस्थान (एलयूआईपीएस) में अधोसंरचनात्मक विकास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की गई। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय द्वारा संस्थान में नवनिर्मित लिफ्ट, 50 अत्याधुनिक कंप्यूटरों से सुसज्जित नवीन कंप्यूटर लैब, संकाय सदस्यों हेतु सुसज्जित फैकल्टी रूम तथा 280 सीटों की क्षमता वाले आधुनिक ऑडिटोरियम का विधिवत लोकार्पण किया गया। इस कंप्यूटर लैब के माध्यम से ऑनलाइन शिक्षण, शोध कार्य और सॉफ्टवेयर आधारित प्रशिक्षण में गुणवत्ता और गति सुनिश्चित होगी।

संस्थान के निदेशक प्रो. पुष्पेंद्र त्रिपाठी ने स्वागत भाषण में संस्थान की प्रगति, वर्तमान प्रयासों और भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय द्वारा संस्थान की वार्षिक पत्रिका "एलयूआईपीएस–सिनर्जी (2024-25)" का विमोचन किया गया। साथ ही गेट 2025 में सफल 24 छात्रों और मेडप्लस व मैकलियोड्स फार्मास्यूटिकल्स में चयनित 37 छात्रों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के डीन प्रो. एके सिंह ने कहा कि अधोसंरचनात्मक विस्तार विद्यार्थियों को उद्योग के अनुकूल तैयार करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। कार्यक्रम का समापन सुपेरिंटेंडेंट ऑफ़ वर्क्स प्रो. डीके सिंह द्वारा आभार ज्ञापन और राष्ट्रगान के साथ हुआ।

परास्नातक के पाठ्यक्रमों का परीक्षा कार्यक्रम जारी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय ने विभिन्न परास्नातक पाठ्यक्रमों के दूसरे और चौथे सेमेस्टर परीक्षा का कार्यक्रम जारी कर दिया है। जिसमें एमएएच सेमेस्टर दो की परीक्षाएं 24 मई से 4 जून तक होंगी जबकि चौथे सेमेस्टर की परीक्षा 27 मई से 30 जून के मध्य होंगी। एमएससी जूलॉजी दूसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 20 मई से 26 मई तक, चौथे सेमेस्टर की परीक्षा 21 मई से 27 मई तक होंगी। इसी प्रकार एमए ज्योतिर्विज्ञान की परीक्षाएं दूसरे सेमेस्टर की 22 मई से 31 मई तक, चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं 23 मई से 30 मई तक आयोजित हैं। संस्कृत की 22 मई से 2 जून तक जबकि चौथे सेमेस्टर की 23 मई से 30 मई तक होंगी। एमएससी रसायन शास्त्र की परीक्षाएं 3 जून से 9 जून तक होंगी जबकि चौथे सेमेस्टर की परीक्षा 10 जून से 16 जून तक होंगी। मास्टर ऑफ पब्लिक हैल्थ की दूसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 27 मई से 4 जून तक होंगी। चौथे सेमेस्टर की परीक्षा 26 मई से 30 मई तक आयोजित हैं। मास्टर ऑफ सोशल वर्क दूसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 27 मई से 4 जून, चौथे सेमेस्टर की 26 मई से 30 मई तक, मास्टर ऑफ पापुलेशन स्टडी की दूसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 27 मई से 4 जून, चौथे सेमेस्टर की 26 मई से 3 जून तक आयोजित हैं।

लविवि में कार्य परिषद की बैठक आज

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में कार्यपरिषद की बैठक का आयोजन गुरुवार को करने का निर्णय लिया गया है। इसमें 125 से अधिक कॉलेजों में नए पाठ्यक्रमों और नए कॉलेजों की मान्यता के प्रस्तावों पर मंजूरी देने का कार्य किया जाएगा। इसके साथ ही पहले से संचालित पाठ्यक्रमों की संबद्धता विस्तार का भी फैसला होगा। इस संबंध में कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी की ओर से सभी कार्यपरिषद के सदस्यों को सूचना भेज दी गई है। बैठक का एजेंडा भी ईमेल कर दिया गया है। संभावना जताई जा रही है कि कार्य परिषद के अध्यक्ष की ओर से पहलगाम मामले में विवादित टिप्पणी करने वाले शिक्षकों से संबंधित विषय भी समिति के सामने रखे जा सकते हैं। उन पर लगे आरोपों से सदस्यों को अवगत भी कराया जाएगा। जिससे उनके खिलाफ अनुशासनात्मक समिति बनाने व अन्य कार्रवाई करने की संस्तुति की जा सकती है। हालांकि दोनों शिक्षक अपना स्पष्टीकरण कुलसचिव कार्यालय को उपलब्ध करवा चुके हैं।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 3

लविवि में हमले को नाकाम करने के लिए प्रशिक्षित किए गए एनसीसी कैडेट्स

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय में बुधवार को 64 यूपी बटालियन एनसीसी, 63 यूपी बटालियन एनसीसी, 3 यूपी नेवल व 5 यूपी एयर एनसीसी के कैडेट्स ने संयुक्त तत्वावधान में सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल का आयोजन लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के निर्देशन में किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एनसीसी के अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) मेजर जनरल विक्रम कुमार रहे। इस दौरान महानिदेशक (एडीजी) मेजर जनरल विक्रम कुमार ने कैडेटों को आपदा प्रबंधन, संकट की स्थिति में त्वरित और प्रभावशाली प्रतिक्रिया और नेतृत्व कौशल से युक्त व्यवहार की महत्ता पर प्रकाश डाला।

प्रो. आलोक कुमार राय ने अपने वक्तव्य में एनसीसी को राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक सशक्त माध्यम बताया और कैडेटों को अनुशासन, तत्परता और सेवा-भाव के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य कैडेटों को युद्ध जैसी आपातकालीन परिस्थितियों जैसे बम विस्फोट, अचानक ब्लैकआउट अथवा किसी घायल को अस्पताल पहुंचाने जैसी स्थिति में अनुशासित और समन्वित ढंग से कार्य करने के लिए प्रशिक्षित करना था। अभ्यास के दौरान कैडेटों ने वास्तविक परिस्थितियों का सामना करते हुए रणनीतिक संचालन, प्राथमिक चिकित्सा सहायता और संकट प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं का अभ्यास किया। कार्यक्रम के समापन पर एनसीसी कैडेट्स ने यह संकल्प लिया कि वे देश और समाज की सेवा के लिए सदैव तैयार रहेंगे और किसी भी आपातकालीन परिस्थिति में अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वाहन करेंगे।

कार्यक्रम में 64 यूपी बटालियन के लेफ्टिनेंट कर्नल अनिमेष राय (प्रशासनिक अधिकारी), 63 यूपी बटालियन एनसीसी से कर्नल आर.पी. सिंह (कमांडिंग ऑफिसर), लेफ्टिनेंट कर्नल राकेश तिवारी (प्रशासनिक अधिकारी), 63 के एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर मेजर प्रो. राजेश शुक्ला, मेजर डा. किरण लता डंगवाल, 3 यूपी नेवल के ए.एन.ओ. ले कमांडर प्रो. डी.के. सिंह, 64 यू पी बटालियन एनसीसी के एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट डा. रजनीश कुमार यादव व 5 यू पी एयर एनसीसी के ए.एन.ओ. डा. नागेंद्र मौर्या तथा 64 एनसीसी के सूबेदार मेजर आशीष सिंह, 63 एनसीसी सूबेदार मेजर अरविंद कुमार यादव, 64 के सूबेदार राम कृष्ण तिवारी ने एनसीसी कैडेट्स को मॉक ड्रिल का अभ्यास कराया। इस अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो. वी.के. शर्मा, चीफ प्रॉक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी, डायरेक्टर आईपीपीआर प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव, डायरेक्टर सांस्कृतिकी प्रो. अनूप भारतीय आदि उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण : बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में 67 यू. पी. बटालियन, एनसीसी कैडेट्स व विश्वविद्यालय के अन्य छात्र/छात्राओं को मॉक ड्रिल का प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल व समादेशाधिकारी कर्नल पुनीत श्रीवास्तव के दिशानिर्देशन में आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य तौर पर ले (डा.) मनोज कुमार डडवाल, मेडिकल ऑफिसर डा. हर्षिता सिंह एवं नर्सिंग असिस्टेंट प्रमोद कुमार एवं दुर्गा सिंह उपस्थित रहे।

वीबीएयू में एनसीसी कैडेट्स व विद्यार्थियों को दिया गया मॉक ड्रिल

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

लविवि में एनसीसी कैडेट ने किया सिविल डिफेन्स मॉक ड्रिल

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में 64 यूपी बटालियन एनसीसी, 63 यूपी बटालियन एनसीसी, 3 यूपी नेवल व 5 यूपी एयर एनसीसी के कैडेट्स द्वारा संयुक्त तत्वावधान में सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल कार्यक्रम लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के निर्देशन में आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एनसीसी के अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) मेजर जनरल विक्रम कुमार रहे।

प्रो अलोक कुमार राय ने वक्तव्य में एनसीसी को राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक सशक्त माध्यम बताया और कैडेटों को अनुशासन, तत्परता, और सेवा-भाव के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। महानिदेशक (एडीजी) मेजर जनरल विक्रम कुमार ने कैडेटों को आपदा प्रबंधन, संकट की स्थिति में त्वरित और प्रभावशाली प्रतिक्रिया, और नेतृत्व कौशल से युक्त व्यवहार की महत्ता पर प्रकाश डाला। इस मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य कैडेटों को युद्ध जैसी आपातकालीन परिस्थितियों जैसे बम विस्फोट, अचानक ब्लैकआउट, अथवा किसी घायल को अस्पताल पहुंचाने जैसी स्थिति में अनुशासित और समन्वित ढंग से कार्य करने हेतु प्रशिक्षित करना था। अभ्यास के दौरान कैडेटों ने वास्तविक परिस्थितियों का सामना करते हुए रणनीतिक संचालन, प्राथमिक चिकित्सा सहायता, और संकट प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं का अभ्यास किया। यह अनुभव न केवल उनके मानसिक और शारीरिक बल को सुदृढ़ करता है, बल्कि उनमें टीमवर्क और सेवा भाव की भावना को भी प्रबल करता है। कार्यक्रम में दोनों बटालियनों के वरिष्ठ अधिकारी एवं विश्वविद्यालय से जुड़े एनसीसी अधिकारी सक्रिय रूप से उपस्थित रहे।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर लड्डू खिलाकर मनायी गयी खुशियां

लखनऊ। ऑपरेशन सिंदूर और भारतीय सेना के पराक्रम के उपलक्ष्य में प्रसन्नता व्यक्त करने के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग में प्रो मनोज अग्रवाल के कक्ष में शिक्षक एवं शोध छात्र-छात्राओं ने लड्डू खिलाकर एक दूसरे को बधाइयां दी। इस अवसर पर भारतीय सेना का पराक्रम और ओपरेशन सिंदूर विषय पर बोलते हुए अर्थशास्त्र विभाग के प्रो मनोज अग्रवाल ने कहा कि अभूतपूर्व कार्यवाही है। सभी निशाना अचूक रहा है। अन्याय सहन करना सबसे बड़ा पाप है। भारत बहुत तेजी से आर्थिक और सामरिक रूप से उभर रहा है। सफल रणनीति के साथ यह सफल ऑपरेशन सिद्ध करता है कि भारत अब अन्याय नहीं सहेगा।